>

Title: Regarding illness of passengers due to food served on Rajdhani Express.

श्री कामेश्वर बैठा (पलामू): माननीय अध्यक्ष महोदया, आज आपने मुझे इतने गंभीर विषय पर बोलने का मौका दिया है, इसके लिए मैं आपका आभारी हूं।

महोदय, यह घटना 11 मई की है। 11 मई, शुक्रवार के दिन हम ट्रेन नं. 2440, रांची राजधानी एक्सप्रेस से अपने क्षेत्र झारखंड जा रहे थे। कानपुर स्टेशन आने से पहले मुझसे पूछा गया कि क्या खाना खाएंगे। हमने कहा कि शाकाहारी खाना खाएंगे। मुझे खाना मिल गया और कानपुर स्टेशन पार होने के पहले हमने खाना खा लिया। एच-वन के सी बोगी में हम लोग दो आदमी थे। एक आदमी ऊपर सोया हुआ था जिसका * नाम था और एक मैं था।

कुछ पन्द्रह-बीस मिनट के बाद मेरे बदन पर उल्टी गिरने लगी। मैंने उनसे पूछा कि क्या आप पानी पी रहे हैं? उन्होंने कहा कि मुझे उल्टी, पैखाना दोनों हो रहा है। मैं हड़बड़ा कर उठा और किवाड़ खोला। किवाड़ खोलते ही बाहर की ओर देखा कि कई लोग उसी तरह की स्थिति में हैं। फिर मुझे भी वैसा ही होना शुरू हो गया। मैंने टी.टी.ई. साहब को बुलाया। उन्हें कहा कि आप गाड़ी को रोकिए, दवा मंगाइए, इलाज कराइए। मैं पूरी ट्रेन तो घूम कर नहीं देख पाया क्योंकि मेरी हालत काफी नाजुक हो चुकी थी। लेकिन, मैंने ट्रेन में कम से कम 60-70 लोगों को ऐसी ही स्थिति में पाया। मैंने काफी मशक्कत की कि ट्रेन को इलाहाबाद में रोक कर यात्रियों को उतारा जाए, उनका इलाज कराया जाए। जब ट्रेन इलाहाबाद नहीं रूकी तो मैंने मिर्ज़ापुर में इसके लिए प्रयास किया। मिर्ज़ापुर में दो मिनट के लिए ट्रेन रूकी, लेकिन वहां क्या हुआ, यह मैं नहीं बता सकता हूं। हम तमाम माननीय सदस्य और देश को बताना चाहते हैं कि जब ट्रेन मुगलसराय पहुंची तो * जो वहां पुलिस इंस्पेक्टर हैं, उनकी मदद से हम लोगों का इलाज हुआ।

अध्यक्ष महोदया : किसी का नाम नहीं लीजिए।

श्री कामेश्वर बैठा : महोदया, मुगलसराय स्टेशन पर कई लोगों को इधर से उधर किया गया।

MADAM SPEAKER: Do not mention the name.

श्री कामेश्वर बैठा : महोदया, मुगलसराय स्टेशन पर बाकी लोगों को उतार लिया गया। मुझे रांची जाना था। मैं रांची नहीं जा पाया और डिहरी-ऑन-सोन स्टेशन पर उतरकर अपने संसदीय क्षेत्र में चला गया। वहां इलाज कराया। जब मेरी स्थिति काफी नाजुक हो गयी तो मुझे वहां से यहां राम मनोहर लोहिया अस्पताल में भर्ती कराया गया।

महोदया, यहां तमाम सदस्य बैठे हुए हैं। पूरा देश सुन रहा है। राजधानी एक्सप्रेस हमारे देश की सबसे अच्छी ट्रेन है और इसकी यह हालत है। हमारे रेल मंत्री जी यहां बैठे हैं। मैं उनसे कल मिला था। मैंने उनसे कहा था कि यह जो घटना मेरे साथ हुई है, सारे टीवी चैनल, और समाचार पत्रों के माध्यम से देश के सारे लोग इसे जान गए, मगर अभी तक माननीय मंत्री जी की ओर से कोई बयान नहीं आया है। इस पर माननीय मंत्री जी ने कहा कि हम उस कॉन्ट्रैक्टर को टर्मिनेट कर रहे हैं। दूसरी बात, ये उस पर ढाई लाख रुपए का जुर्माना लगा रहे हैं। जिससे सैंकड़ों आदमी की लाश निकल जाएगी, उस पर मात्र ढाई लाख रुपए का जुर्माना लगाया जा रहा है।

मैं सदन से और माननीय मंत्री जी से यह मांग करता हूं कि ऐसे भ्रष्ट कॉन्ट्रैक्टर, जिसने इस तरह से षडयंत्र के तहत जानलेवा हमला किया है और अभी तक उस पर कोई कार्रवाई नहीं की गयी है, के नाम को काली सूची में दर्ज़ किया जाए। उसका नाम इस तरह से दर्ज़ किया जाए कि भविष्य में कोई भी व्यक्ति इस तरह की हरकत दुबारा न कर सके। मैं आपसे और सारे लोगों से यही आग्रहपूर्वक निवेदन करना चाहता हूं और कहना चाहता हूं कि इसी हाउस में, आज ही उसको काली सूची में डाला जाये, इसलिए कि इसमें प्रमाण की जरूरत नहीं है, महोदया। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया: वे बोल रहे हैं। माननीय मंत्री महोदय बोलना चाहते हैं।

श्री कामेश्वर बैठा : इसमें प्रमाण की आवश्यकता नहीं है, दुनिया जान चुकी है, सारे लोग जान चुके हैं। â€¦ * पुलिस इंस्पैक्टर का ट्रंसफर करके...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया: उनका नाम मत लीजिए।

श्री कामेश्वर बैठा : एक मिनट। यह गम्भीर विषय है। â€¦ जो पुलिस इंस्पैक्टर है ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया: उनका नाम मत लीजिए।

श्री कामेश्वर बैठा : उसने कितनी मशक्कत के बाद जान बचाई, उसको रातों-रात ट्रंसफर करके लखनऊ में भेज दिया गया। बताइये, क्या कोई भी पुलिस अधिकारी इस तरह से मदद करने के लिए हिम्मत जुटाएगा, नहीं जुटाएगा। उस इंस्पैक्टर â€¦ को मुगलसराय वापस भेजा जाये, मैं यही मांग करता हूं।

अध्यक्ष महोदया:

श्री पी.एल. पुनिया को श्री कामेश्वर बैठा के साथ सम्बद्ध करने की अनुमति दी जाती है।

THE MINISTER OF RAILWAYS (SHRI MUKUL ROY): Respected Madam, it is a serious complaint made by the hon. Member.
यह किसी भी आदमी के साथ नहीं होना चाहिए, चाहे वह एम.पी. हो, चाहे पैसेंजर हो, यह किसी आदमी के साथ नहीं होना चाहिए। यह घटना जो हुई है, यह शनिवार

के दिन हुई है। शनिवार के दिन जब यह हमारे नोटिस में आया तो हमने तुरन्त मैडीकल टीम और उस आदमी को इसकी जांच करने के लिए भेजा है कि क्या मामला है। मैं हाउस में आपके थ्रू बोल रहा हूं, उसके बाद हमने जांच का ऑर्डर दे दिया है। यह किसी आदमी के साथ नहीं होना चाहिए। हमने जांच का ऑर्डर दे दिया है और उसके साथ-साथ यह है कि जो इंस्पैक्टर ट्रांसफर हुआ है, वह जी.आर.पी. में इंस्पैक्टर है, वह रेलवे की पैरीफरी में नहीं है, वह हमारे जुरिस्डिक्शन में नहीं है। यह ट्रांसफर यू.पी. स्टेट के अन्दर से होता है। जो इंस्पैक्टर है, वह जी.आर.पी. का है, वह रेलवे पुलिस का नहीं है। वह हमारे जुरिस्डिक्शन के अन्दर नहीं है, लेकिन Madam, the hon. Member of Parliament met me and I assured him. I told him that I would talk to the Chief Minister of Uttar Pradesh that he should be retained and also find out why has been transferred.

Madam, we have passed the order for an inquiry, and after the inquiry we will submit the report.